Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 194 , 20 दिसम्बर, बुधवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

गुम हुए बच्चे को परिजनों से मिलवाया

नई दिल्ली। पुलिस ने बेगमपुर थाना इलाके से गुम हुए तीन साल के एक बच्चे को उनके परिजनों से मिलवाया दिया। सूत्रों के मुताबिक बच्चा अपने घर से निकलकर सड़क पर आ गया था। उसे लावारिस हालत में देखकर किसी राहगीर ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने डोर टू डोर अभियान चलाकर बच्चे के माता-पिता को खोज निकाला। पुलिस सूत्रों के मुताबिक रविवार दोपहर एक राहगीर ने बेगमपुर के रामा विहार में एक लावारिस बच्चे को सड़क पर भटकते देख इसकी सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही एसएचओ रामस्वरूप मीणा की देखरेख में पुलिसकर्मी फैरन मौके पर पहुंचे और बच्चे को थाने ले आए। बच्चे का फेटो मोबाइल से खींचकर इलाके के बीट कांस्टेबल समेत आसपास के अन्य थानों में प्रसारित करा दिए गए। कुछ पुलिसकर्मी रामा विहार तथा आसपास के इलाकों में जाकर डोर डू डोर कैम्पेन चलाकर बच्चे के माता-पिता को ढूंढने लगे। कुछ देर में एएसआई चरण सिंह को बच्चे के परिजनों की जानकारी मिल गई और उन्हें थाने बुलाकर बच्चा उन्हें सौंप दिया गया।

बोरी में बंद मिला युवक का शव

नई दिल्ली (एजेंसी) । वेलकम थाना इलाके में बोरे में बंद एक अज्ञात युवक की लाश मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित जीटीबी अस्पताल शवगृह में रखवा दिया है। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि युवक की किसी धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। फ्लिहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। देखने से उसकी उम्र करीब 25-30 साल के आसपास होने का अनुमान लगाया गया है। फ्लिहाल पुलिस ने इस संदर्भ में मामला दर्ज कर लिया है और मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों में संपर्क साध रही है। साथ ही हत्या आरोपियों की भी पहचान करने की कोशिश कर रही है।पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे की है। इस दौरान स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि वेस्ट गोरखपार्क स्थित गली नंबर-6 के पास वाले नाले में बोरे के अंदर लाश मिली है। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर उक्त संदिग्ध बोरे को बाहर निकलवाया। जिसे खोलकर देखने के बाद उसमें से युवक का शव बरामद किया गया है। उसके गले पर धारदार हथियार के निशान थे। साथ ही उसके शरीर पर भी चोटों के निशान मौजूद थे। देखने से लग रहा था कि आरोपियों ने युवक की हत्या कर शव को बोरे में बंदकर नाले में फेंक फरार हो गए। फ्लिहाल पुलिस आसपास के थानों में संपर्क कर मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपाल लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाने का प्रयास भी किया जा रहा है।

बैंक में करोड़ों की चोरी करने पहुंचे बदमाश, खाली हाथ लौटे

नई दिल्ली। कीर्तिनगर थाना इलाके के कर्नाटका बैंक में करोड़ों की चोरी के लिए सेंध लगाने पहुंचे बदमाशों को खाली हाथ लौटना पड़ा। रविवार देर रात बदमाश बैंक के सुरक्षागार्ड की मिली भगत से मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए, लेकिन डेढ़ घंटे की कोशिश के बाद भी लॉकर तक नहीं पहुंच पाए। शाखा प्रबंधक उदय कुलकर्णी की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपी सुरक्षा गार्ड की तलाश में है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार शाम साढ़े छह बजे बैंक बंद कर वह घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे बैंक पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा था। आनन-फानन में उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर बैंक पहुंची दिल्ली पुलिस की आपराध शाखा ने अंदर सारा सामान बिखरा पाया।

सिपाही पर गोली चलाने के आरोप में एक और बदमाश धरा गया

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने फर्श बाजार इलाके में गश्त कर रहे एक सिपाही पर गोली चलाने के आरोप में एक और बदमाश गिरफ्तार कर उससे दो पिस्टल, चार कारतूस व लूटी गई पांच सोने की चेन बरामद की हैं। पकड़ा गया बदमाश प्रमोद लूटपाट की वारदातें करने वाले बदमाशों को बाइक व अन्य सामान मुहैया करवाता और लूट का माल भी बदमाशों से खरीदता था।

शुल्क विसंगति मामले की जांच से डीडीई को मुक्त करने की मांग

निजी स्कूलों के मामले देखने को सरकार ने मांगे 12 दानिक्स

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय के निजी स्कूल ब्रांच के लिये 12 दानिक्स आफ्सिर मांगे हैं। यह अफ्सर दिल्ली शिक्षा निदेशालय के तहत आने वाले मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों से संबंधित सभी काम और जिम्मेदारियों को देखेंगे, साथ ही जिला स्तर पर बनी शुल्क विसंगति समिति का काम भी इन्हीं के जिम्मे कर दिया जाएगा। उपराज्यपाल अनिल बैजल को लिखे पत्र में सिसोदिया ने कहा कि सरकार को निजी स्कूलों द्वारा सातवें वेतन आयोग को लागू करने की आड़ में गलत तरीके से फीस वसूल करने की तमाम शिकायतें आ रही हैं। सरकार ने शुल्क विसंगति की जांच के लिए जिला स्तर पर समितियां बनाई हैं, जिनकी अध्यक्षता जिले के उपशिक्षा निदेशक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली शिक्षा निदेशालय के तहत करीब 1500 मान्यता प्राप्त निजी स्कूल हैं और ऐसे में प्रत्येक समिति के समक्ष सैकड़ों शिकायतें आनी तय है। स्कूलों के खातों की जांच कर शिकायतों का निराकरण करना एक जटिल काम है। निदेशालय पहले से दिल्ली विकास प्राधिकरण की जमीन पर बने स्कूलों के खातों को ऑडिट कर रहा है, जिन्होंने कि फीस बढ़ाने से पूर्व अनुमति के लिये आवेदन किया है। मंत्री ने कहा है कि उप शिक्षा निदेशक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और वहीं फील्ड आफ्सिर भी हैं। स्कूलों के निरीक्षण की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। ऐसे में शुल्क विसंगति के मामले भी देखने से उप शिक्षा निदेशकों पर काम का अतिरिक्त दबाव पड़ेगा और वे बोर्ड परीक्षाओं के मद्देजनर राजकीय स्कूलों में चलाई जा रही पहलों की निगरानी नहीं कर सकेंगे। उपशिक्षा निदेशकों के लिये इन सभी शिकायतों के निराकरण के साथ ही राजकीय विद्यालयों पर भी ध्यान बनाये रखना संभव नहीं है। उप मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल से कहा है कि इन आफ्सिरों को यदि शिक्षा निदेशालय के निजी स्कूल ब्रांच में नियुक्त किया जाता है और वे इस ब्रांच की पूरी जिम्मेदारी स्वीकार लेते हैं तो उप शिक्षा निदेशक राजकीय स्कूलों पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकें। जोकि बोर्ड परीक्षाओं के लिहाज से बेहद जरूरी है।

मतदाताओं ने मोदी के विकास को चुना : जाजू

नई दिल्ली (एजेंसी) । भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी श्याम जाजू ने गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत पर खुशी का इजहार करते हुए इसे विकास की जीत बताया है। उन्होंने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को देते हुए कहा कि देश को विकास का एजेंडा उन्होंने ही दिया है और इसी एजेंडे पर देश आगे बढ़ रहा है। गुजरात एवं हिमाचल की जनता ने भी इसी मुद्दे पर भाजपा को चुना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तमाम प्रयास कर इस चुनाव को दूसरी तरफ मोड़ने की कोशिश की।

"चार्जशीट दाखिल कर भूमाफिया को दिलाएं सजा'

गाजियाबाद। जिन भूमाफिया के खिलाफ गुंडा एक्त व गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है उनके विरुद्ध चार्जशीट दाखिल कर सख्त सजा दिलायी जाए ताकि भविष्य में ऐसा कृत्य करने की हिम्मत न करें। यह बात जिलाधिकारी रितु माहेश्वरी ने एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स की बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने यह भी कहा कि एंटी भूमाफिया अभियान निरंतर प्रभावी ढंग से चलाया जाए।

डीएम बैठक में मौजूद सभी एसडीएम व अन्य विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने क्षेत्र में कम से कम एक-एक बड़े भूमाफिया को चिह्नित कर उसके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।

खाली कराने योग्य भूमि तत्काल खाली कराई जाए। जमीन खाली हो जाने पर उसके चारों ओर बाड़ कराकर बोर्ड लगा दिया जाए ताकि पुन: कब्जा न होने पाए। यदि अतिक्रमण मुक्त कराई गई शासकीय भूमि पर पुन: अवैध कब्जा हुआ तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि तालाबों से अवैध कब्जा तत्काल हटाया जाए और खाली जमीन पर पौधरोपण व सौंदर्यीकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि अगले शुक्रवार तक सभी विभाग इस बात की सूचना का प्रमाण पत्र दें कि उनकी कुल अवैध कब्जे की जमीन कितनी है जिससे अवैध कब्जा हटाया जाना है।

इसके अतिरिक्त उनके विभाग की अन्य कोई ऐसी भूमि नहीं है जिस पर अवैध कब्जा है। रितु माहेश्वरी ने नगर पालिका, यूपीएसआईडीसी, आवास विकास, लोक निर्माण व सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने विभाग के सबसे अधिक क्षेत्रफल वाले अवैध कब्जों की सूचना भेजें ताकि उसे खाली कराया जा सके।

नामी ब्रांड के नकली पेय बेचने के दोषी को राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2001 में पेप्सी और लिम्का जैसे ब्रांड नाम का इस्तेमाल करते हुए नकली पेय बनाने और बेचने के लिए एक व्यक्ति की दोषसिद्धि को दरकिनार करने से इनकार कर दिया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशा मेनन ने यद्यपि एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा व्यक्ति को दी गई एक वर्ष की सजा में परिवर्तन किया और उसे 14 दिन कर दिया जो उसने 2001 में मामले की सुनवायी शुरू होने के बाद जेल में बितायी थी। यह आदेश दोषी संत राम की ओर से दायर अपील पर आया जो उसने 19 नवम्बर 2015 को एक मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट द्वारा दोषी ठहराये जाने और सजा सुनाने के आदेश के खिलाफ दायर की थी।

सड़कों पर प्रदूषण फैलाने वाले वाहन किए जाएंगे बंद

यह व्यवस्था अगले महीने में लागू कर दी जाएगी

बदरपुर बिजली संयंत्र भी जुलाई तक कर दिया जाएगा बंद एंटी स्माग गन का परीक्षण आनंद विहार बस अड्डे पर होगा 20 दिसम्बर को बिजली वाहनों को मिलेगा प्रोत्साहन उपराज्यपाल ने शुक्रवार को प्रदूषण नियंतण्रको लेकर की समीक्षा बैठकहोमगार्ड जवान तैनात होंगे पचास वार्ड में पर्यावरण मार्शल के तौर पर

नई दिल्ली (एजेंसी) । अलगे वर्ष जुलाई महीने तक बदरपुर थर्मल बिजली घर को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

बिजली चालित वाहनों को प्रोत्साहन मिलेगा। अगर कोई वाहन भारी प्रदूषण फैलाते सड़क पर चलेगा तो उसे बंद किया जाएगा, यह व्यवस्था अगले आठ महीने में लागू कर दी जाएगी। इसके अलवा राजधानी के पचास वार्ड में सौ होम गार्ड को पर्यावरण मार्शल के रूप में जल्द नियुक्त किए जाएंगे। तुरंत प्रभाव से सात वार्ड में होम गार्ड को पर्यावरण वार्लटियर नियुक्त किया गया है जिसकी संख्या बढ़ाकर सौ कर दी जाएगी। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने सोमवार को प्रदूषण नियंतण्र को लेकर समीक्षा बैठक की जिसमें पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन, पर्यावरण सचिव, मुख्य सचिव, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव, परिवहन आयुक्त, एनडीएमसी के अध्यक्ष, तीनों निगमायुक्त संयुक्त आयुक्त (यातायात) उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने शहरी विकास सचिव को कचरा प्रबंधन की कार्ययोजना के साथ तोड़ फोड़ का मलवा आदि के शत प्रतिशत प्रबंधन के बारे में अपनी कार्ययोजना के संबंध में पुन: कार्य करने के निर्देश दिए व मुख्य सचिव को इस संबंध में समन्वय कर इसे अंतिम रूप देने कहा। उपराज्यपाल ने तीनों निगमायुक्तों को तीनों लैडफ्लि साइटों पर आगजनी रोकने के निर्देश दिए। इसके लिए वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय व आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से भी सलाह लेने कहा।

उपराज्यपाल महोदय ने तीनों निगमायुक्तों को अपेक्षित मात्रा में मैकेनिकल स्वीपर, कूड़ादान, पानी के छिड़काव की मशीन आदि समय पर खरीदनें के लिए भी कहा। बैठक में पर्यावरण सचिव ने जानकारी दी कि नगर निगम के सात वार्ड में होमगार्ड स्वयंसेवकों को पर्यावरण मार्शल के रूप में तैनात किया जा रहा है जिनकी संख्या बढ़कर 100 हो जाएगी और इनके लिए 50 वार्ड में तैनात किया जाएगा। आनंद विहार बस अड्डे पर 20 दिसम्बर एन्टी स्मांग गन का ट्रायल किया जाएगा।

बैठक में परिवहन विभाग की योजनाओं के बारे में बताया गया कि विभाग 2000 बसों की खरीद करेगा। करीब 35 लाख बीए 2 दुपहिया वाहनों, इलैक्ट्रिकल वाहनों को प्रोत्साहन देने जैसी योजना बीमा, वाहन साफ्टवेयर के साथ पीसूसी प्रक्रिया, बुराड़ी में मौजूदा फिटनेस केन्द्र के स्वचालन के लिए जोड़ा जाएगा।

बुराड़ी कमर्शियल वेहिकल टैस्टिंग सैंटर का उन्नतिकरण किया जाएगा। एनसीआर क्षेत्र में समयसीमा के भीतर सीएनजी स्टेशनों को खोलना, मैट्रों में और अधिक कोचों की बढ़ोतरी, 15 साल से पुराने पैट्रोल वाहन तथा 10 साल से पुराने डीजल वाहन सड़कों पर न चलें प्रदूषण की जांच के लिए रडार सैंसर की खरीद आदि।

ऊर्जा सचिव ने उपराज्यपाल को बताया कि बदरपुर थर्मल पावर स्टेशन जुलाई 2018 तक स्थायी रूप से बंद हो जाएगा।

यह भी सूचित किया कि वर्तमान में 800 एकड़ ऐश पौंड ओ जोन में हैं और एनएचएआई वर्तमान में रोजना 600 मेट्रिक टन राख ले रहा है। उपराज्यपाल ने जोर देकर कहा कि भविष्य में इसका अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए। इसके अतिरिक्त बवाना प्लांट के लिए गैस उपलब्धता के बारे में भी चर्चा की गई।

स्वास्थ्य सचिव पर बैठक में निशाना साधने से नौकरशाहों की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी) । आउटकम बजट की बैठक में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के छमाही कायरे की समीक्षा की गई जिसमें प्रधान सचिव राजीव यदुवंशी को उपमुख्यमंत्री के कोप का सामना करना पड़ा। सीधे तौर पर फिर से वरिष्ठ नौकरशाह व सरकार के बीच विवाद बढ़ गया है। ज्यादा आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक न खुलने पर दिल्ली सरकार सकते में हैं व मामले को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के आउटकम बजट की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को उपमुख्यमंत्री ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने स्वास्थ्य सचिव से कहा कि बैठक में जानकारी देने के लिए विशेष सचिव या उप सचिव की बिलकुल सहायता न लें, पूरी जानकारी स्वयं दें। असली मसला यह है कि दिल्ली सरकार मोहल्ला क्लीनिक को फ्लैगशिप प्रोग्राम बना चुकी है लेकिन मोहल्ला क्लीनिक की संख्या दो सौ से ज्यादा नहीं बढ़ पा रही है। इसके पूर्व शिक्षा विभाग, दिल्ली जल बोर्ड व लोक निर्माण विभाग ने मोहल्ला क्लीनिक खोलने के लिए जमीन देने से मना कर दिया है। दिल्ली सरकार स्कूलों के कैंपस में क्लीनिक खोलना चाहती थी लेकिन विभाग ने जमीन देने से साफ मना कर दिया है। लोक निर्माण विभाग ने सड़कों के किनारे की जमीन को राईट आफ वे बताकर मोहल्ला क्लीनिक के लिए जमीन देने से मना किया है।

इसी प्रकार जल बोर्ड ने भी इस निमित्त जमीन देने से मना किया है। लिहाजा स्वास्थ्य सचिव के लिए जमीन उपलब्ध करा पाना मुश्किल काम हो गया है। मुख्यमंत्री ने स्वयं विभागीय सचिवों की बैठक कर जमीन उपलब्ध कराने की कोशिश की है लेकिन उन्हें भी पर्याप्त सफलता नहीं मिली है। एक तरफ सरकार एक हजार क्लीनिक खोलने के दावे को सही ठहराना चाहती है वहीं जमीन उपलब्ध न होने से इसका खामियाजा स्वास्थ्य सचिव को भुगतना पड़ रहा है। फरवरी महीने में तीन साल पूरा होने पर कामकाज की समीक्षा के दौरान सरकार को किरकिरी झेलनी पड़ेगी, इस कारण विफतला को लेकर स्वास्थ्य सचिव पर दबाव बढ़ गया है।

दिसम्बर माह में ही मोहल्ला क्लीनिक की जांच का मामला सीबीआई को भेजा जा चुका है। सनद रहे कि दिल्ली सरकार ने पूर्व मुख्य सचिव डा. एमएम कुट्टी, पूर्व लोक निर्माण सचिव अश्विनी कुमार व दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ केशव चंद्र के साथ ही विवाद कर उन्हें बैकफुट पर रखने का प्रयास किया व इसी फामरूले के तहत अब राजीव यदुवंशी भी निशाने पर हैं।

साढ़े पांच लाख के जाली नोट पकड़े, तीन बंदी

नई दिल्ली (एजेंसी) । नकली नोटों की तस्करी करने वाले एक रैकेट का पर्दाफाश कर पुलिस ने साढ़े पांच लाख रपए मूल्य के नकली नोट बरामद कर तीन तस्कर पकड़े हैं। तीन के नाम जुल्फिकार आलम (45) उत्तम मंडल (40) और दीपक मंडल (36) हैं। पुलिस के मुताबिक गैंग काफी समय से दिल्ली व एनसीआर में नकली नोटों का धंधा कर रहा था। केस दर्ज कर पुलिस गिरोह के नटवर्क से जुड़े आन्य बदमाशों की तलाश में है। पुलिस के मुताबिक बरामद दो-दो हजार रपए के नकली नोट बंगलादेश या पाकिस्तान से मालदा के रास्ते दिल्ली समेत यूपी तथा बिहार में पहुंचाए जाते थे। बरामद नकली नोटों की क्वालिटी तो बेहतर है है, उनमें असली नोटों के सिक्युरिटी फीचर तक मौजूद हैं। पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक स्पेशल सेल की एक टीम कुछ समय से नकली नोटों की सप्लाई करने वालों तस्करों की धरपकड़ में जुटी है। इसी बीच एसआई निर्भय राणा को सूचना मिली कि नकली नोटों की तस्करी में शामिल एक तस्कर नोटों की खेंप लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास थॉमसन रोड पर आने वाला है। इस सूचना पर एसीपी अतर सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर अरविंद कुमार और दिनेश आर्या की टीम ने जुल्फिकार नामक बदमाश को धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी के समय उससे गिरोह का एक अन्य बदमाश उससे मिलने आया था। पुलिस ने उत्तम मंडल नाकर इस बदमाश को भी पकड़ लिया। तलाशी में जुल्फिकार से तीन लाख व उत्तम मंडल से एक एक लाख के नकली नोट बरामद किए गए।

यह सिलसिला पिछले 13 साल से चल रहा है

सरकार ने पूर्वी निगम को नहीं दिया एकमुश्त पार्किंग शुल्क

गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के दौरान वसूले जाने वाले एकमुश्त पार्किंग शुल्क की राशि पूर्वी दिल्ली नगर निगम को नहीं मिल रही है। यह सिलसिला पिछले 13 साल से चल रहा है। लगभग एक हजार करोड़ रपए से ज्यादा की राशि सरकार पर एकमुश्त पार्किंग शुल्क का बकाया है।

इस मामले का खुलासा स्थायी समिति अध्यक्ष प्रवेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई कांट्रैक्ट बस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों बैठक के बाद हुआ। दरअसल पिछले कुछ समय से पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा उन बसों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है जो सड़क किनारे खड़ी रहती हैं। निगम द्वारा ऐसे करीब दो दर्जन बसों को जब्त कर उनसे भारी जुमार्ना किया गया। इस मामले को दिल्ली कांट्रैक्ट बस एसोसिएशन ने पूर्वी दिल्ली नगर निगम के स्थायी समिति अध्यक्ष प्रवेश शर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अरुण शर्मा ने बताया कि चौड़ी सड़कों पर बसों व व्यवसायिक वाहनों को पार्क किए जाने की वजह से वर्ष 2004 से निगम द्वारा इनसे हर साल पार्किंग शुल्क वसूलने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के तहत परिवहन विभाग व्यवसायिक वाहनों से पंजीकरण के समय तो एकमुश्त पार्किंग तो लेता ही है इसके अलावा हर साल फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करने के समय भी पार्किंग शुल्क वसूला जाता है। यह शुल्क बसों और ट्रकों के लिए चार हजार रपए है।

इसी तरह ऑटो के लिए एक हजार, टैक्सी के लिए 1500, आरटीवी व हल्के मालवाहक वाहन के लिए 2500 रुपये हैं। प्रतिनिधिमंडल ने स्थायी समिति अध्यक्ष के समक्ष आरटीआई के जवाब की प्रति रखते हुए कहा कि वर्ष 2007-08 में 60 करोड़, 98 लाख, 59 हजार, 2008-09 में 62 करोड़ 76 लाख 10 हजार, 2009-10 में 102 करोड़ 73 लाख 39 हजार और 2011-12 में 92 करोड़ 05 लाख 17 हजार रपए दिल्ली परिवहन विभाग ने वसूल किया था। अरुण शर्मा ने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा पिछले कुछ वर्षो से तकरीब 100 करोड़ रुपये हर वर्ष पार्किंग शुल्क के रूप में वसूल किए जा रहे हैं। वर्ष 2004 के बाद परिवहन विभाग द्वारा एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा राशि वसूल की गई है। यह राशि निगम के माध्यम से बस और व्यवसायिक वाहनों के लिए पार्किंग बनाने में उपयोग की जानी थी। यह राशि उनसे इसीलिए ली जा रही है कि वह कम भीड़भाड़ वाली जगह चौड़ी सड़क पर बसें खड़ी कर सकें। लेकिन निगम फिर भी इस मामले में कार्रवाई कर रहा है। स्थायी समिति चेयरमैन प्रवेश शर्मा ने इस मामले में निगम के लेखा विभाग से जानकारी ली तो पता चला कि पार्किंग मद की कोई राशि निगम के पास नहीं पहुंची है। शर्मा कहते हैं कि इस मामले में दिल्ली सरकार को पत्र लिखा जाएगा कि वह जल्दी से जल्दी यह राशि निगम को दें। जिससे कि इसका इस्तेमाल बहुमंजिली पार्किंग बनाने में किया जा सके। वह कहते हैं कि दिल्ली सरकार की मनमानी की वजह से यह राशि अभी तक नहीं मिली है।

परिवहन विभाग को इस राशि को वसूलने के एवज में एक फीसद मिलता है। उन्हें एक फीसद राशि काटकर बाकी निगम को दे देनी चाहिए थी।

विपत्ति में पड़े हुए मनुष्य का प्रिय करने वाले दुर्लभ होते हैं -शूद्रक

चुनाव के नतीजे

गुजरात विधान सभा चुनाव के नतीजों को एक वाक्य में सूत्रबद्ध करके कहा जाए तो गांधीनगर में भाजपा की छठी बार सरकार बन रही है, और कांग्रेस आगामी पांच साल तक विपक्ष की भूमिका में रहेगी। हालांकि 2012 के चुनाव की तुलना में भाजपा की सीटें कम हुईहैं, जबकि कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी सीटों में इजाफा किया है। इसलिए इस जनादेश के गहरे राजनीतिक अर्थ हैं। यह भाजपा और कांग्रेस दोनों को आत्मावलोकन करने का संदेश देता है। सवाल महत्त्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, दोनों का गृह प्रदेश गुजरात है। तो भी भाजपा को सत्ता बचाने के लिए एड़ी-चोटी का पसीना बहाना पड़ा। आखिर प्रधानमंत्री की नीतियों में कहां खोट रह गई कि गुजरात के युवा उनसे अलग हो गए जबकि उन्हें युवाओं में सबसे अधिक लोकप्रिय माना जाता है। ठीक है कि इस जीत से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा लेकिन कम अंतर की इस जीत से उसका इकबाल जरूर कम हुआ है। इसलिए मानने में हिचक है कि गुजरात की जनता ने मोदी की आर्थिक नीतियों (नोटबंदी, जीएसटी) और गुड गवन्रेस का समर्थन किया है। दूसरी ओर, इसमें संदेह की तनिक भी गुंजाइश नहीं है कि गुजरात के चुनाव ने राहुल गांधी को परिपक्व नेता के रूप में स्थापित कर दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने अनुशासित ढंग से बिंदुवार मुद्दों को उठाया। हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिग्नेश मेवाणी को अपने साथलाकर नया सामाजिक समीकरण भी बनाया, लेकिन भाजपा की बाइस सालों की सत्ता-विरोधी लहर को जीत में तब्दील करने में विफल रहे। यह कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे की कमजोरी की ओर इशारा करता है। चुनाव नतीजों के शुरुआती रुझान आने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने इस कमजोरी को स्वीकार भी किया। फिर, पूरे चुनाव अभियान के दौरान राहुल को छोड़कर कांग्रेस का कोई कद्दावर नेता गुजरात में दिखाई नहीं दिया। चुनाव रणनीति की दृष्टि से यह पार्टी की नासमझी थी। इस तरफ पार्टी को विचार करना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने मर्यादाविहीन बयान देकर अपने ही पाले में आत्मघाती गोल किया। हालांकि उन्हें राहुल के निर्देश पर तुरंत निलंबित करके डैमेज कंट्रोल की कोशिश की गई लेकिन तब तक चुनावी नजारा बदल चुका था। बहरहाल, जीत तो जीत होती है, और हार-हार। इसे कबूल करना ही चाहिए।

पार्टी को झटका

कयास लगाए जा रहे थे, बिल्कुल वैसा ही हुआ। हिमाचल प्रदेश में भी कमल खिला। लेकिन पार्टी की इस जीत में कई अहम चेहरों की हार ने सियासी पंडितों को तो चौंकाया ही साथ ही कई नेताओं को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया। सबसे सनसनीखेज हार भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार प्रेम कुमार धूमल और प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती की रही। ये दोनों दिग्गज अपनी हार नहीं टाल सके। ऐसे हैविवेट नेताओं की हार से पार्टी को झटका लगा है। नतीजतन आलाकमान को नये सिरे से मुख्यमंत्री के लिए मगजमारी करनी होगी। चुनाव परिणाम का नजदीक से विश्लेषण करें तो यह बात साफतौर पर उभरकर आती है कि राज्य की जनता ने स्थानीय विकास और स्थानीय चेहरों को प्राथमिकता दी। कहने का मतलब यह कि किस नेता ने स्थानीय स्तर पर विकास के कितने काम किए हैं और उसका विजन क्या है, इस पर जनता की पैनी नजर रही है।

साथ ही स्थानीय मुद्दों को जनता ने बाकी मसलों के साथ गड्मगड्ड नहीं होने दिया। शायद यही वजह है कि अलोकप्रिय सरकार चलाने के बावजूद व्यक्तिगत तौर पर विकास की बात करने वाले मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह, उनके बेटे या कांग्रेस के कई बड़े नेता चुनाव जीत गए। जबकि इसके उलट धूमल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष परिणाम अपने अनुरूप नहीं ला सके। यानी जनता ने कैंडिडेट का चेहरा देखकर मतदान किया। कह सकते हैं कि जनता ने बेहद जागरूक होकर अपने मत का इस्तेमाल किया।

इस अवधारणा को इस बिंदु पर भी समझा जा सकता है कि जनता ने सरकार के खिलाफन जाकर प्रत्याशियों का चेहरा और उसके कामों को आधार बनाकर वोटिंग की। इस हिसाब से ''एंटी इन्कम्बेंसी' फैक्टर यहां ज्यादा प्रभावी नहीं रहा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री वीरभद्र भी जीत हासिल करते हैं और उनके बेटे भी। चूंकि, हिमाचल में पांच साल के लिए एक दल को जिताने का ट्रेंड रहा है, सो कांग्रेस के बाद भाजपा की वापसी हुई है। मगर धूमल के हारने से आलाकमान को किसी नये नेता पर दांव आजमाना होगा। साथ ही गुटबाजी से भी पार पाना होगा। कांग्रेस में भी शीर्ष स्तर पर बदलाव की उम्मीद है।

सत्संग

प्रेम

शब्द जितना मिस अंडरस्टुड है, जितना गलत समझा जाता है, उतना शायद मनुष्य की भाषा में कोई दूसरा शब्द नहीं! प्रेम के संबंध में जो गलत-समझी है, उसका ही विराट रूप इस जगत के सारे उपद्रव, हिंसा, कलह, द्वंद्व और संघर्ष हैं। प्रेम की बात इसलिए थोड़ी ठीक से समझ लेनी जरूरी है। जैसा हम जीवन जीते हैं, प्रत्येक को यह अनुभव होता होगा कि शायद जीवन के केंद्र में प्रेम की आकांक्षा और प्रेम की प्यास और प्रेम की प्रार्थना है। जीवन का केंद्र अगर खोजना हो, तो प्रेम के अतिरिक्त और कोई केंद्र नहीं मिल सकता है। समस्त जीवन के केंद्र में एक ही प्यास है, एक ही प्रार्थना है, एक ही अभीप्सा है; वह अभीप्सा प्रेम की है। और वही अभीप्सा असफल हो जाती हो तो जीवन व्यर्थ दिखाई पड़ने लगे अर्थहीन, मीनिंगलेस, फ्रस्ट्रेशन मालूम पड़े, विफलता मालूम पड़े, चिंता मालूम पड़े तो कोई आश्चर्य नहीं है। जीवन की केंद्रीय प्यास ही सफल नहीं हो पाती है! न तो हम प्रेम दे पाते हैं और न उपलब्ध कर पाते हैं। और प्रेम जब असफल रह जाता है, प्रेम का बीज जब अंकुरित नहीं हो पाता, तो सारा जीवन व्यर्थ-व्यर्थ, असार-असार मालूम होने लगता है। जीवन की असारता प्रेम की विफलता का फल है। जब प्रेम सफल होता है, तो जीवन सार बन जाता है। प्रेम विफल होता है तो जीवन प्रयोजनहीन मालूम होने लगता है। प्रेम सफल होता है, जीवन एक सार्थक, कृतार्थता और धन्यता में परिणित हो जाता है। लेकिन यह प्रेम है क्या? यह प्रेम की अभीप्सा क्या है? यह प्रेम की पागल प्यास क्या है? कौन-सी बात है, जो प्रेम के नाम से हम चाहते हैं और नहीं उपलब्ध कर पाते हैं? जीवन भर प्रयास करते हैं? सारे प्रयास प्रेम के आसपास ही होते हैं। युद्ध प्रेम के आसपास लड़े जाते हैं। धन प्रेम के आसपास इकट्ठा किया जाता है। यश की सीढ़ियां प्रेम के लिए पार की जाती हैं। संन्यास प्रेम के लिए लिया जाता है। घर-द्वार प्रेम के लिए बसाये जाते हैं और प्रेम के लिए छोड़े जाते हैं। जीवन का समस्त क्रम प्रेम की गंगोत्री से निकलता है। जो लोग महत्त्वाकांक्षा की यात्रा करते हैं, पदों की यात्रा करते हैं, यश की कामना करते हैं, क्या आपको पता है, वे सारे लोग यश के माध्यम से जो प्रेम से नहीं मिला है, उसे पा लेने की कोशिश करते हैं! जो लोग धन की तिजोरियां भरते चले जाते हैं, अंबार लगाते जाते हैं, क्या आपको पता है, जो प्रेम से नहीं मिला, वह पैसे के संग्रह से पूरा करना चाहते हैं!

भाजपा ने दोनों राज्यों में विजय हासिल

हिमाचल की विजय भाजपा को उसके ''कांग्रेस मुक्त भारत' के एक कदम और करीब ले आई है। बेशक, भाजपा ने दोनों राज्यों में विजय हासिल की है, लेकिन दोनों जगह पार्टी से ज्यादा वहां प्रधानमंत्री मोदी की जीत हैं। चुनाव के दौरान देखने में आया जब कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी चुनौती पेश की तो मोदी ने अकेले दम खुद को प्रचार में झोंक कर अपनी पार्टी जीत दिला दी। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि मणिशंकर अय्यर जैसे नेताओं ने अपनी टिप्पणी से मोदी को कांग्रेस के खिलाफ अभियान में धार लाने में मदद की। हिमाचल प्रदेश में भाजपा की जीत को लेकर शायद ही किसी को संशय रहा हो क्योंकि इस राज्य का रिकॉर्ड रहा है कि यह बारी-बारी से सत्ताधारी पार्टी को बदलता रहा है। चूंकि बीते पांच साल से कांग्रेस की

सतीश पेडणोकर

गुजरात में पहले जो कड़े मुकाबले वाला चुनाव लग रहा था, वह आखिर में भाजपा के लिए आसान जीत साबित हुआ। बेशक, कांग्रेस ने मुकाबला किया, अपने मत प्रतिशत में भी थोड़ा इजाफा किया लेकिन प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के गृह प्रदेश में भाजपा को पराजित नहीं कर सकी। हिमाचल प्रदेश में एक और आसान जीत के साथ भाजपा ने उन राज्यों की उस सूची में एक और राज्य शामिल कर लिया है, जो उसने कांग्रेस से छीने हैं। हिमाचल की विजय भाजपा को उसके ''कांग्रेस मुक्त भारत' के एक कदम और करीब ले आई है। बेशक, भाजपा ने दोनों राज्यों में विजय हासिल की है, लेकिन दोनों जगह पार्टी से ज्यादा वहां प्रधानमंत्री मोदी की जीत हैं। चुनाव के दौरान देखने में आया जब कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी चुनौती पेश की तो मोदी ने अकेले दम खुद को प्रचार में झोंक कर अपनी पार्टी जीत दिला दी। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि मणिशंकर अय्यर जैसे नेताओं ने अपनी टिप्पणी से मोदी को कांग्रेस के खिलाफ अभियान में धार लाने में मदद की। हिमाचल प्रदेश में भाजपा की जीत को लेकर शायद ही किसी को संशय रहा हो क्योंकि इस राज्य का रिकॉर्ड रहा है कि यह बारी-बारी से सत्ताधारी पार्टी को बदलता रहा है। चूंकि बीते पांच साल से कांग्रेस की सरकार थी, इसलिए इस बार भाजपा की सरकार बनना तय था, लेकिन गुजरात में भाजपा की चुनावी विजय से अनेक लोगों को हैरत हुई है। कारण, वहां भाजपा को अनेक दिक्कतों का सामना तो था, साथ ही, 22 साल से चली आ रही उसकी सत्ता से उपजे असंतोष का भी सामना था। हार्दिक पटेल के पटेल आंदोलन से परेशानी बढ़ गई थी। जिग्नेश मेवाणी के नेतृत्व में दलित आंदोलित थे। ओबीसी खासकर ठाकोर मतदाताओं को अल्पेश ठाकोर से भाजपा के खिलाफकाफी हद तक लामबंद कर दिया था। फिर, राज्य में मोदी की मौजूदगी नहीं होने से भी भाजपा समस्या बढ़ गई थी। लेकिन तमाम अड़चनों के बावजूद भाजपा ने गुजरात में एक और जीत हासिल की। हालांकि इसकी सीटों की संख्या में कमी आई। अलबत्ता, इसके मत प्रतिशत में जरूरी थोड़ा इजाफा दर्ज किया गया। यह 47.8 फीसद से मामूली बढ़कर 49 फीसद दर्ज किया गया। पार्टी ने हिमाचल में भी शानदार जीत हासिल की जहां उसे 44 सीटें मिली। दरअसल, चुनाव अभियान के आखिर के दो सप्ताहों में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरीके से आक्रामक प्रचार किया उससे भाजपा के पक्ष में विजयी माहौल बन गया। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफडवलपिंग सोसाइटीज द्वारा मतदान उपरांत किए गए सव्रे से संकेत मिल गया था कि मोदी के अभियान ने मतदाताओं को बड़ी संख्या में भाजपा के पक्ष में लामबंद कर दिया था। इससे चुनाव के ऐन पहले वोट करने संबंधी फैसला करने वाले मतदाता भाजपा के पक्ष में चले गए। मोदी के प्रचार के उपरांत भाजपा के पक्ष में मतदाताओं का झुकाव स्पष्ट देखा जा सकता है। इस बात पर ध्यान दिया जाना जरूरी है कि गुजरात के करीब 35त्न मतदाताओं ने मतदान के दो-एक दिन पहले ही इस बाबत फैसला किया था कि किसे वोट करना है। चुनाव अभियान के शुरुआती हफ्तों के दौरान कांग्रेस ने आक्रामक अभियान के साथ बढ़त ले ली थी, और इस तरीके से भाजपा को बैकफुट पर ला दिया था। लेकिन उसकी यह स्थिति आखिर तक बनी रह सकी। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आक्रामक प्रचार आरंभ होने पर कांग्रेस का अभियान पटरी से उतर गया। खासकर मोदी पर मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी के बाद तो स्थिति ही बदल गई। भाजपा ने इस टिप्पणी के बाद तो गुजरात के सम्मान और अस्मिता का खुलकर कार्ड खेलते हुए कांग्रेस को रक्षात्मक बना दिया। नतीजतन, उसका समूचा चुनाव अभियान पटरी से उतर गया। विभिन्न जाति-समुदायों के हार्दिक पटेल, जिग्नेश मेवाणी, अल्पेश ठाकोर और छोटू वसावा जैसे नेताओं को साथलेकर कांग्रेस ने इन समुदायों के मतों को पहले की तुलना में बड़ी संख्या में अपने पक्ष में करने में सफलता पाई। लेकिन इससे भी कांग्रेस से चुनाव जीतने के हालात नहीं बन पाए। कांग्रेस को उम्मीद थी कि पाटीदार मतदाताओं का बड़ा हिस्सा उसे मिलेगा लेकिन चुनावोपरांत सव्रे से संकेत मिलता है कि 40 फीसद से भी कम पाटीदार मतदाताओं ने ही उसके पक्ष में वोट किया। जिग्नेश मेवाणी से भी कांग्रेस को उतनी मदद नहीं मिली जितनी उसे उम्मीद थी। इसी प्रकार ओबीसी मतदाता भी कांग्रेस और भाजपा के बीच बंट गए। अलबत्ता, पाटीदार मत कम मिलने की भरपाई कांग्रेस ने खासी संख्या में आदिवासी मतदाताओं के वोट पाकर कर ली। पहले भी आदिवासी मतदाता बड़ी तादाद में कांग्रेस के पक्ष में वोट करते रहे हैं। लेकिन इस बार छोटू वसावा कांग्रेस के साथनहीं होते तो भाजपा

शायद कांग्रेस के इस परंपरागत वोट में सेंध लगा देती। बहरहाल, गुजरात में भाजपा की विजय का यह मतलब नहीं है कि राज्य में पार्टी के लिए सब कुछठीक है। हिमाचल और गुजरात में बड़ी संख्या में मतदाताओं का सत्तारूढ़ सरकारों के प्रति असंतोष व्यापा हुआ था। विमुद्रीकरण और जीएसटी उनके आक्रोश की प्रमुख वजहें थीं। किसान भी असंतुष्ट थे। युवा भी परेशान हैं। लेकिन दोनों ही जगहों पर कांग्रेस इन वगरे के असंतोष और गुस्से को भाजपा के खिलाफवोट में तब्दील नहीं कर पाई। गुजरात में हार्दिक की विशाल रैलियों से भाजपा सरकार को महसूस हो गया था कि पाटीदारों और युवाओं में उसके प्रति बहुत ज्यादा गुस्सा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके गुस्से और असंतोष को गुजरात की पहचान और अस्मिता की बात कहकर अपनी पार्टी के खिलाफ वोट में नहीं तब्दील होने दिया। लेकिन अब यही हकीकत है कि गुजरात में भाजपा ने 49 फीसद मत प्रतिशत के साथ चुनाव जीत लिया है, और कांग्रेस 42 फीसद मत पाकर शिकस्त खा बैठी है। हिमाचल प्रदेश में हालांकि कांग्रेस को शिकस्त मिली है, लेकिन यह भी सच है कि उसका मत प्रतिशत 42 फीसद रहा। बेशक, प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा को जीत दिला दी है, लेकिन इसके बावजूद उसके वे युवा मतदाता उससे छिटक चुके हैं, जिनने भाजपा के पक्ष में वोट किया था।

चलते चलते

निपट लिए चुनाव

निपट लिए चुनाव, अब काम पे लगने का वक्त आ लिया। तंबू-रैली वालों शाम तक धर लो नेताओं को पेमेंट वसूलने के लिए, जीता हुआ नेता हाथ ना आता, वो मंत्री पद वगैरह की सैटिंग में लगता है, और हारे हुए नेता से पेमेंट मांगना ऐसे है, जैसे किसी के घर में गमी हो जाए। जीते हुए नेता से पेमेंट वसूलना राजनीतिक संकट होता है, और हारे हुए नेता से पेमेंट लेना नैतिक संकट हो जाता है।चुनाव निपट लिए हैं, कुछ के लिए बेरोजगारी के दिन आ गए हैं। भांति-भांति के एक्सपर्ट रोजगार पा गए थे चुनावी डिबेट में। इतनी तरह के एक्सपर्ट लोगों की जरूरत पड़ी टीवी चैनलों को कि लगभग हर बंदा, जिसके पास कोट-टाई था, चुनावी एक्सपर्ट हो लिया था। मेरे घर के पास वाला मूंगफली वाला, जिससे मैं नियमित मूंगफली खरीदता था, कुछेक दिन से गायब था। वह कल

शाम तक धर लो नेताओं को पेमेंट वसूलने के लिए, जीता हुआ नेता हाथ ना आता, वो मंत्री पद वगैरह की सैटिंग में लगता है, और हारे हुए नेता से पेमेंट मांगना ऐसे है, जैसे किसी के घर में गमी हो जाए। जीते हुए नेता से पेमेंट वसूलना राजनीतिक संकट होता है, और हारे हुए नेता से पेमेंट लेना।

मुझे दिखा एक टीवी चैनल पर बतौर कृषि एक्सपर्ट बैठा हुआ था। उस पार्क में एक बंदा कुत्तों के जरिए भविष्य बांचता था, वह तमाम पर्चियों को कुत्ते से उठवाता था, और उसके आधार पर भविष्य बताता था। मैंने देखा वह कुत्ता-युक्त भविष्यवक्ता भी उस चैनल में बतौर टीवी एक्सपर्ट बैठा था। ऐसे सारे एक्सपर्ट लौट आएंगे पुराने रोजगारों में। औरंगजेब, टीपू सुल्तान, पाकिस्तान सबकी लग ली थी-इलेक्शन ड्यूटी। औरंगजेब ऊपर परेशान थे, रोज नीचे उनके नाम का शोर मचता था, अब चैन से सोएं। पाकिस्तान वाले अलग परेशान थे, हमें पाकिस्तान चौपट करने से फुरसत नहीं जो किसी और मुल्क को चौपट करें। औरंगजेब से अकबर ईर्ष्या कर सकते हैं ऊपर कि इसका नाम चुनाव में आ गया, हमें कोई ना पूछता अब इंडिया में। जहांगीर तो एकदम ही जलभुन सकते हैं कि झूठे को भी उनका नाम नीचे चुनावों में किसी ने ना लिया। जहांगीर, शाहजहां सब ऊपर कतई बेरोजगार टाइप बैठे रहे, शोहरत चर्चा औरंगजेब के खाते में गई। जहांगीर, शाहजहां के बुरा मानने के दिन गए, चुनाव निपट लिए और अब औरंगजेब भी चर्चा से बाहर हो लेंगे। मणिशंकर अय्यर नीच-फेम वाले अब वापस आ सकते हैं। टीवी पर इच्छाधारी नागिन की इच्छाधारी कुत्ते से प्रेम की गाथा के दिन आ गए हैं। चुनाव खत्म, नार्मल दिन आ गए हैं-बार बार ये दिन आएं। लो टीवी पर आने भी लगा है-बगदादी फिर मारा गया। पुराने दिन लौट रहे हैं धीरे-धीरे।

फोटोग्राफी...

20 वर्षीय फोटोग्राफर ने दिखाया, एरियल शॉट से कैसे बदल जाती हैं न्यूयॉर्क जैसे शहरों की तस्वीर

डेस ने 17 वर्ष की उम्र में फोटोग्राफी शुरू की थी। तब वे एक ऊंची इमारत पर पहुंच गए थे और उसका फोटो उन्होंने अपनी प्रोफाइल में अपलोड किया था।

यह फोटो न्यूयॉर्क के यूनियन स्क्वॉयर पार्क का है, जिसे मात्र 20 वर्षीय फोटोग्राफर हमजा डेस ने क्लिक किया है। यह फोटो उनके एरियल व्यू फोटोग्राफी प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमें वे यह दिखाना चाहते हैं कि ऊपर से शॉट लेने पर,दृश्य कितना बदल जाता है। उन्होंने इसके लिए सबसे पहले न्यूयॉर्क सिटी को चुना, जहां पूरे शहर में ऊंची इमारतें हैं और उनके बीच में इस तरह के स्क्वॉयर बने हैं। डेस ने 17 वर्ष की उम्र में फोटोग्राफी शुरू की थी। तब वे एक ऊंची इमारत पर पहुंच गए थे और उसका फोटो उन्होंने अपनी प्रोफाइल में अपलोड किया था।

बाद में वह न्यूयॉर्क मैग्ज़ीन कवर पेज बना था। डेस ने अपने इस प्रोजेक्ट में ज्यादातर तस्वीरें न्यूयॉर्क की क्लिक की है।

कुछ इमारतों के ऊपर से तो कुछ ड्रोन से। एम्पायरएस्टेट बिल्डिंग और न्ययूॉर्क पुलिस का मुख्यालय भी शामिल है। instagram.com

हताशा में युवा शक्ति

हमारे देश में बढ़ती बेरोजगारी सिर्फ इसलिए चिंता का विषय नहीं मानी जाती है कि इससे लाखों परिवारों की रोजी-रोटी का सवाल जुड़ता है, बल्कि इसका खतरा यह भी है कि बेरोजगार नौजवान आबादी अपराधों की तरफबढ़ती है। देश के विभिन्न हिस्सों में अपराधों, लूट आदि में पढ़े-लिखे युवाओं का शामिल होना साबित कर रहा है कि रोजगार विहीनता देश और समाज के सामने कैसे-कैसे संकट उपस्थित कर सकती हैं। इन चिंताओं को केंद्र में रखते हुए यूपी-टीईटी यानी शिक्षक पात्रता परीक्षा के नतीजों को देखें तो कह सकते हैं कि भविष्य में ऐसी चुनौतियां काफी ज्यादा बढ़ सकती हैं। असल में हाल में आए यूपी-टीईटी के नतीजे चौंकाने वाले माने जा सकते हैं। परीक्षा में तीन लाख 49 हजार अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से दो लाख 76 हजार ने परीक्षा दी। नतीजों से पता चला है कि सिर्फ11 फीसदी अभ्यर्थी उत्तीर्ण हो सके। 89 फीसद के फेल हो जाने के कई निहितार्थ हैं। पहला, युवाओं को जो शिक्षा मिल रही है, उसका स्तर इतना निम्न है कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के लायक नहीं बनाती। यदि यह मानें कि स्तर कायम रखने के लिए परीक्षा को काफी कठिन बनाया गया है, तो इसका दूसरा संकेत और भी चिंताजनक है। यह कि ऐसी दशा में बेरोजगार रह जाने वाले युवाओं का प्रतिशत बढ़ेगा। वे व्यवस्था से निराश होकर ऐसे रास्तों पर बढ़ सकते हैं जो देश व समाज के लिए नये संकट खड़े कर देंगे। अचंभे की बात है कि युवाओं में रोजगार दिलाने वाली व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति अरुचि दिखने लगी है। इस साल सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों में बताया गया था कि बहुत से शिक्षित बेरोजगार डिग्री के बाद भी नौकरी की तलाश नहीं कर रहे। जनवरी, 2017 में बेरोजगार युवाओं की संख्या 40 करोड़ 84 लाख थी। लेकिन बेरोजगारी के कारण नौकरी तलाश रहे युवाओं की संख्या 2 करोड़ 59 लाख थी। सात महीने बाद जुलाई के आखिर तक बेरोजगारों की तादाद घटकर 40 करोड़ 54 लाख हो गई। दूसरी ओर इस दौरान नौकरी ढूंढने वाले लोगों की तादाद भी घटकर 1 करोड़ 37 लाख हो गई। सवाल है कि आखिर, बेरोजगार युवा नौकरियां क्यों नहीं तलाश कर रहे? क्या व्यवस्था और परीक्षा पण्राली से नाराज हैं। हो सकता है कि उन्हें नौकरियों की चाहत न हो। अपना व्यवसाय खड़ा करना चाहते हों। सरकार ने स्किल इंडिया आदि योजनाओं के तहत उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाली जो योजनाएं शुरू कीं, मुमकिन है कि उनका फायदा ले रहे हैं। यह भी कहा जा सकता है कि बाजार की मांग के मुताबिक और ज्यादा स्किल विकसित करने के लिए आगे की पढ़ाई कर रहे हैं। पर इनसे ज्यादा बड़ी वजह नाउम्मीदी की लगती है। हाल के वर्षो में एटीएम, बैंकिंग वेबसाइटों की हैकिंग, साइबर अपराधों से लेकर लूटपाट-छीनझपट आदि मामलों में खुलासों में ज्यादातर पढ़े-लिखे युवाओं का पकड़ा जाना यही सब साबित कर रहा है। सोचना होगा कि रोजगार सृजन के बजाय नौकरियों से जुड़ी परीक्षाओं को आबादी को नौकरी के दरवाजे पर रोकने के उद्देश्य से बेहद कठिन बना दिया जाएगा तो लगेगे कि पूरा तंत्र समस्या का सिर्फएक पहलू देख रहा है। दरवाजे पर रोकने की इस परंपरा का दायरा और बढ़ा तो युवाओं को या तो आंदोलन चलाते देखा जाएगा या फिर अपराध की गली में मुड़ते हुए। सवाल है कि क्या इसकी चिंता हमारी सरकारें कर रही हैं, या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

सराहनीय पहल है लखनऊ-वैष्णो देवी बस सेवा की शुरूआत : त्रिपाठी

लखनऊ (ईएमएस)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी ने कहा लखनऊ से वैष्णो देवी तक सीधी बस सेवा चलाने का उत्तर प्रदेश प्रदेश सरकार का फैसला सराहनीय है। भारतीय जनता पार्टी ने कहा लखनऊ से वैष्णो देवी तक सीधी बस सेवा से हर साल बड़ी संख्या में वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को तो सुविधा मिलेगी ही, पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ से वैष्णो देवी समेत जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के लिए बस सेवा शुरू करने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार से अनुबंध करने की पहल की है। त्रिपाठी ने कहा लोखनऊ से वैष्णो देवी के लिए सीधी बस सेवा नहीं होने के कारण ज्यादातर लोगों को ट्रेन से वहां जाना पड़ता है। इस मार्ग पर भारी भीड़ की वजह से श्रद्धालुओं को अकसर ट्रेनों में आरक्षण की दिक्कत से जूझना पड़ता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपने इस फैसले को मूर्त रूप देने के लिए जम्मू कश्मीर सरकार से अनुबंध करने जा रही है। त्रिपाठी ने कहा कि इस फैसले के बाद उत्तर प्रदेश की बसें जम्मू कश्मीर जा सकेंगी और वहां की बसें उत्तर प्रदेश में आ सकेंगी। पर्यटन की लिहाज से भी यह फैसला मील का पत्थर साबित होगा।

शौचालयों के निर्माण पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

लखनऊ (ईएमएस)। प्रदेश सरकार ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत प्रदेश के 75 जनपदों के लिए वर्ष 2017-18 में 78,86,237 शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से दस लाख शौचालयों का निर्माण लाभार्थियों द्वारा स्वयं के संसाधनों से एवं शेष 68,86,237 शौचालयों का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से प्राप्त अनुदान की धनराशि से किया जायेगा। प्रष्नकाल के दौरान बसपा सदस्य रितेश पाण्डेय द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में पंचायती राज राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार भूपेन्द्र चैधरी ने बताया कि इस मद में गत वित्तीय वर्ष 2016-17 की 28552.09 लाख रूपए की धनराशि जनपदों में उपलब्ध थी तथा वर्ष 2017-18 में 270216.60 लाख रूपए की धनराशि जनपदों को आवंटित की गयी। इस प्रकार गत वित्तीय वर्ष की धनराशि को सम्मिलित करते हुए कुल 298768.69 लाख रूपए की धनराशि शौचालयों के निर्माण के लिए उपलब्ध है। वहीं बसपा के सुखदेव राजभर, उमाशकर सिंह व लालजी वर्मा ने भी सरकार से इसी सवाल पर जवाब तलब किया। विभागीय मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार की ओर से शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रूपए की सहयोग राषि दी जाती है।

महिला ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

शाहजहाँपुर (ईएमएस)। जिला पंचायत सदस्य की पत्नी ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपने पति की लाइसेंसी रिवाल्वर से कथित रूप से गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर सुमित शुक्ला ने आज बताया कि शहर में ही मोहल्ला बाडूजई में रहने वाले आशीष अवस्थी के मकान में तीसरी मंजिल पर कल रात 10 बजे गोली चलने की आवाज सुनाई दी और वह भाग कर कमरे में गए तो देखा कि उनकी पत्नी मोनिका अवस्थी (30) के सिर में गोली लगी थी। वह उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्ला ने बताया कि संभवता पति पत्नी के बीच कुछ मनमुटाव के चलते ही मोनिका ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है फिलहाल फिंगर प्रिंट लेने के साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गुजरात में हिट रहे योगी, 35 सीटों पर किया प्रचार 20 में मिली जीत

लखनऊ (ईएमएस)। गुजरात चुनाव के नतीजों को लेकर जितनी उत्सुकता देशभर में थी उससे कहीं अधिक खुद योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम को थी। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीसरे बड़े चेहरे थे, जिन्हें गुजरात चुनाव में भाजपा ने जमकर इस्तेमाल किया। इसका भाजपा को लाभ भी मिला। चुनाव प्रचार अभियान के दौरान योगी ने 29 जिलों की कुल 35 सीटों पर प्रचार किया, जिनमें से 20 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। बीजेपी के स्टार प्रचारक के तौर पर योगी आदित्यनाथ को गुजरात के सियासी रणभूमि में उतारा गया था। योगी ने गुजरात गौरव यात्रा में शामिल होने के साथ-साथ 29 जिलों की 35 सीटों पर चुनाव प्रचार किया था। चुनावी नतीजे आ रहे थे, योगी की टीम यह जानने को उत्सुक थी कि जिन 35 सीटों में उनके नेता ने प्रचार किया है, उसके नतीजे कैसे रहे। ताजा आंकड़ों के मुताबिक योगी जिन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार के लिए गए थे उनमें से 20 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। नतीजों के बाद योगी आदित्यनाथ ने कहा की गुजरात की जीत विकास की जीत है, नरेंद्र मोदी के नीतियों की जीत है। राहुल गांधी के नकारात्मक प्रचार की हार है। नतीजे आने के बाद सोमवार की शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश विधानसभा गुजरात की जीत की बधाई का प्रस्ताव रखा तो नेता विपक्ष रामगोविंद चौधरी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी को बधाई नहीं दे सकता लेकिन आपको जरूर दे सकता हूं।

सरकार की बालू खनन नीति के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग, कई जगह रोड जाम

पटना। बिहार सरकार की बालू खनन नीति के खिलाफ मंगलवार को पटना, मनेर, मुंगेर, बाढ़ और शेखपुरा में लोग सड़क पर उतर आए। सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन राजधानी के दानापुर में देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने सगुना मोड़ स्थित ट्रैफिक पोस्ट को जला दिया। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। उग्र लोगों ने पुलिस पर पथराव किया। शाहपुर के पास दानापुर-मनेर सड़क को प्रदर्शनकारियों ने जाम कर दिया। उग्र लोगों ने सड़क किनारे स्थित दुकानों में तोड़फोड़ की। जाम में फंसी गाड़ियों को भी गुस्साए लोगों ने तोड़ दिया। पटना के आसपास के ग्रामीण इलाकों में पुलिस की तैनाती बढ़ाई जा रही है। बीहटा और मनेर में भी महिलाएं और बच्चे बालू खनन पर सरकारी नियंत्रण के खिलाफ सड़क पर उतर आए हैं। बालू खनन पर सरकारी कंट्रोल के खिलाफ बाढ़ और शेखपुरा में भी विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। ट्रक को सड़क पर खड़ा कर रोड जाम कर दिया गया है। एनएच 80 और 31 पर जाम के चलते वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं, षिष्ट व्यवहार करे विपक्षः योगी

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेष विधानसभा में नेता सदन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्ष को जमकर खरीखोटी सुनायी। विपक्षी सदस्यों को मर्यादापूर्ण आचरण करने की नसीहत देते हुए उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं है। उन्होंने विपक्ष को षिष्ट व्यवहार करने की सलाह देते हुए कहा कि विपक्ष स्वयं देखे कि किस भाषा व शब्दावली का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि विपक्ष जिस प्रकार का व्यवहार करेगा उसी प्रकार का व्यवहार सत्तापक्ष भी करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सदन की सुरक्षा के साथ राजनीति नहीं होनी चाहिए। सदन महत्वपूर्ण है न कि सदस्यों के विषेषाधिकार का हनन। दरअसल उप्र विधानसभा के जुलाई माह में हुए सत्र के दौरान सदन के भीतर एक संदिग्ध पाउडर मिला था जिसे पहली नजर में खतरनाक विस्फोटक पीईटीएन करार दिया गया था। हालांकि बाद में अन्य फोरेन्सिक लेब्रोटरी ने उसे पीईटीएन नहीं माना था। इसी मुद्दे को एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष समाजवादी पार्टी के रामगोविन्द चैधरी ने उठाते हुए सरकार पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए नेता सदन को कटघरे में खड़ा करने की मांग की। वहीं कांग्रेस सदस्य अजय कुमार लल्लू ने नेता सदन से माफी मांगनी की बात कही। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक भी हुई। वहीं उत्तेजित सपा सदस्य वेल में आ गए। हंगामें के चलते सदन की कार्यवाही 50 मिनट स्थगित रही। वहीं बाद में विपक्ष के आरोपों का नेता सदन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सदन में मर्यादा के अनुरूप बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीभ सम्मान दिलाती है तो अपमान भी। किसी व्यक्ति का सम्मान सदन से बड़ा नहीं होता है। सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सुरक्षा के साथ राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में मिला पदार्थ पीईटीएन नहीं सिर्फ पाउडर निकला यह अच्छी बात है लेकिन यदि यह विस्फोटक होता तो क्या होता। विस्फोट किसी का इन्तजार नहीं करता है। उन्होंने कहा कि किसी सदस्य का विषेषाधिकार महत्वपूर्ण होता है कि सदन। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सच को स्वीकारना चाहिए। सत्ता पक्ष षिष्ट व्यवहार कर रहा है तो वैसा ही व्यवहार विपक्ष को करना चाहिए। किस तरह की भाषा और शब्दावली का प्रयोग हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष व्यक्तिगत आक्षेप न लगाये। ऐसा लगता है कि विपक्ष मर्यादापूर्ण आचरण भूल गया है। उन्होंने कहा कि सम्मान और अपमान हमारे हाथ में है। उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा बनाने में योगदान करें। सदन की मर्यादा संदिग्ध पीईटीएन से नहीं जाती बल्कि जब राज्यपाल पर कागज के गोले फेंके जाते हैं और सदन में सीटी बजायी जाती है तब सदन की मर्यादा तार-तार होती है। उन्होंने कहा कि आप बोलते हैं तो आपको सुनना भी पड़ेगा।

विधानसभा में उठी विधायक निधि समाप्त करने की मांग

लखनऊ (ईएमएस)। उप्र विधानसभा में सोमवार को विपक्ष के तमाम सदस्यों ने सरकार से क्षेत्र विकास निधि (विधायक निधि) को समाप्त करने की पुरजोर मांग की। विपक्षी सदस्यों की यह दलील थी कि इन निधि के कारण विधायकों की प्रतिष्ठा को धब्बा लग रहा है। हालांकि सरकार भी विपक्ष की इस दलील और मांग से सहमत नजर आयी लेकिन उसकी ओर से यह कहा गया कि इस मुद्दे पर फिलहाल कोई विचार नहीं किया जा रहा है। बाद में इस विचारोपरान्त कोई निर्णय लिया जा सकता है। प्रष्नकाल के दौरान सपा सदस्य नरेन्द्र सिंह वर्मा ने महंगाई को देखते हुए विधायक निधि की राशि एक करोड़ रूपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रूपए करने की मांग की। उनका कहना था कि निधि पर 12 प्रतिशत की जीएसटी लगा दी गयी है और महंगाई भी बढ़ गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे राज्यों में विधायक निधि पांच करोड़ रूपए है। वहीं बसपा के लालजी वर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती विधायकों की अवषेष निधि को सरकार ने सरकारी कोष में जमा करने का शासनादेष जारी किया है। उन्होंने मांग की कि सरकार अपने इस शासनादेष को वापस ले ताकि वर्तमान विधायकों अवशेष 20-25 लाख की निधि से और काम कराने का अवसर मिलेगा। वहीं बसपा के ही सुखदेव राजभर ने कहा कि निधि की गाइड लाइन में भी यह दर्ज है कि यह धनराषि न तो 'लैप्स' होगी और न ही इसे किसी अन्य मद में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस पर नेता प्रतिपक्ष सपा के रामगोविन्द चैधरी ने कहा कि विधायक निधि की वजह से विधायकों की प्रतिष्ठा पर धब्बा लगता है। यह कहा जाता है कि विधायक इसमें कमीषन लेते हैं। उन्होंने कहा कि जबकि अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए ही इस निधि का इस्तेमाल किया जाता है।

पहली बार विधायक का विधानसभा का अनुभव रहा घटिया

लखनऊ (ईएमएस)। उप्र की 17वीं विधानसभा में पहली बार चुनकर आये बहुजन समाज पार्टी के विधायक अनिल सिंह ने मंगलवार को सदन के अन्दर अपना दर्ज बयां किया। उन्होंने जिस अंदाज में अपनी बात रखी उससे सदन में जमकर ठहाके लगे। दरअसल विधानसभा में प्रष्नकाल के दौरान जब आवारा पषुओं द्वारा कृषि फसलों के नुकसान को लेकर सवाल-जवाब हो रहे थे। इसी दौरान बसपा विधायक अनिल सिंह भी कुछ कहना चाह रहे थे। पीठ से अनुमति मिलने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी ने जब उनसे विधानसभा का अनुभव के बारे में पूछा तो मैंने कहा कि वहां का बहुत घटिया अनुभव रहा है। सदन में गैर जरूरी मुददों पर घंटों चर्चा होती है और महत्वपूर्ण विषयों पर कोई सुनने को तैयार नहीं होता। उन्होंने कहा कि मैं अपना काम धंधा छोडकर राजनीति में जन सेवा के लिए आया हूं लेकिन यहां (सदन) का अनुभव घटिया है। हमारी नेता बहन मायावती कहती हैं कि सदन के कामकाज में अनावश्यक रूप से बाधा ना पहुंचायी जाए और आसन के सामने नहीं जाना चाहिए। अभी अनिल सिंह अपनी बात कह ही रहे थे कि सदन ठहाकों से गूंज उठा। वहीं विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने उनसे पूछा कि उनके अनुभव सुनकर पत्नी ने क्या कहा। विधायक ने कहा कि मेरी पत्नी ने मुझसे कहा कि वहां चुपचाप बैठे रहिए और अनुभव लेते रहिए। इस पर अध्यक्ष ने मजाकिया लहजे में कहा कि तब तो टीवी पर सीधा प्रसारण देखने के बाद आपको उनकी डांट सुननी पड़ेगी। इस पर सिंह ने कहा कि जनता की डांट सुन रहे हैं।

कोहरे की चादर में ढंकी राजधानी, बदला स्कूलों का समय

पटना। राजधानी पटना सहित पूरे राज्य में ठंड का कहर बढ़ने लगा है। मंगलवार की सुबह कोहरे ने पटना को पूरी तरह से ढंक लिया था। धुंध का आलम ये था कि कुछ मीटर की दूरी पर खड़े लोग भी नजर नहीं आ रहे थे। कुहासे के कारण लोग हेडलाइट ऑन कर गाड़ी चला रहे थे। मौसम विभाग का कहना है कि ठंड अभी और बढ़ सकती है। पटना सहित पूरे बिहार में ठंड ने कहर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले कई दिनों से तापमान में गिरावट हुई है।

मंगलवार सुबह पूरा पटना कोहरे से ढंक गया था। कुहासा बढ़ने के कारण लोगों का जन-जीवन प्रभावित हुआ है। ठंड के चलते स्कूलों का समय भी बदल गया है। डीएम संजय अग्रवाल ने राजधानी के सभी स्कूलों को आदेश दिया है कि सुबह 9:30 बजे से पहले कोई क्लास शुरू नहीं होगी।

प्रकाश पर्व की वजह से पटना में आरजेडी का नहीं रहेगा बंद

पटना (ईएमएस)। आरजेडी के प्रस्तावित २१ दिसबंर के बिहार बंद को प्रकाश पर्व से अलग रखा जाएगा। आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने सिख धर्म के इस महान पर्व का ध्यान रखते हुए फैसला किया है कि प्रकाश पर्व की वजह से पटना सिटी के क्षेत्र में बंद लागू नही होगा। २१ दिसंबर से २३ दिसबंर तक प्रकाश पर्व का समापन समारोह आयोजित किया है। २०१७ के जनवरी में सिख धर्म के दसवें गुरू गोविंद सिंह की ३५०वीं जयंती पर प्रकाश पर्व का शुभारंभ किया था। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार यदि बालू नीति पर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसले को मान लेती है तो आरजेडी २१ दिसंबर के बिहार बंद को वापस ले लेगी। अगर सरकार ऐसा नहीं करेगी तो बिहार बंद रहेगा। बिहार में आने वाले सिख समाज के लोग यह देखेंगे कि करोड़ों लोगों का रोजगार लूटा गया। उनके बच्चों को खाने के लिए रोटी नहीं मिल रही है तो इससे ज्यादा बिहार की बदनामी क्या होगी? यह तानाशाही रवैया रहेगा तो हमारा संघर्ष जारी रहेगा। जनता दल यूनाइटेड ने आरोप लगाया था कि आरजेडी प्रकाश पर्व के दौरान बंद का आयोजन कर बिहार की छवि को खराब करना चाहती है। तेजस्वी ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के संज्ञान में आया कि उस दिन समारोह है। ऐसे में किसी तरह की लोगों को समस्या न हो। न्यू बायपास और पटना सिटी के इलाके में लोगों को समस्या न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा। हम अभी भी कहते हैं कि अपना तानाशाही रवैया छोड़िए। गरीब के पेट पर लात मारना बंद करें। इससे बिहार बंद भी नहीं होगा। कोई तंग नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कीजिए। लोगों को रोजगार भी मिलेगा। लालू यादव ने कहा कि प्रकाशपर्व को देखते हुए कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण बंद का आह्वान किया गया है। एंबुलेंस सेवा को बंद से प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रकाशपर्व वाले क्षेत्र में बंद नहीं किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि बालू और गिट्टी को लेकर जनता को परेशानी हो रही है। मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सरकार की गलत नीतियों के कारण बिहार के लाखों गरीब मजदूर भुखमरी के दौर से गुजर रहे हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है जिसमें बिहार सरकार ने बालू, गिट्टी और मिट्टी के खनन, बिक्री और परिवहन के लिए नए नियम बनाए थे।

भारत-नेपाल सीमा विवाद सुलझाने के लिए बैठक अट्ठाइस को

बलरामपुर (ईएमएस)। भारत-नेपाल सीमा से जुड़े विवाद सुलझाने और सीमा पर बढ़ रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए दोनों देशों के अधिकारियों के बीच आगामी 28 दिसम्बर को बलरामपुर में बैठक होनी है। बैठक के लिए भारत ओर से नोडल अधिकारी बनाए गए बलरामपुर के जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि बैठक में नेपाल के सात जिलों और भारत के पांच जिलों के अधिकारी हिस्सा लेंगे। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), वन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें संबंधित जिम्मेदारियां सौंप दी गयी हैं। उन्होंने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर होने वाले काम को तीन हिस्सों में बांटा गया है। प्रथम चरण में भारत-नेपाल सीमा पर तोड़े गये या जर्जर हो चुके स्तम्भों का चिह्नीकरण किया जाएगा। दूसरे चरण में चिह्नित स्तंभों के पुनर्निर्माण का काम किया जायेगा। उसके बाद सीमा पर जहाँ भी अतिक्रमण है उसे हटाया जाएगा। इस काम में एसएसबी, लोक निर्माण तथा राजस्व विभाग के साथ साथ नेपाल पुलिस की भी मदद ली जाएगी। मिश्रा ने उम्मीद जतायी कि आने वाले दिनों में भारत नेपाल सीमा से सम्बन्धित समस्याएं ना सिर्फ खत्म होंगी बल्कि दोनों देशों के रिश्तों की डोर भी मजबूत होगी। ज्ञातव्य है कि भारत और नेपाल के बीच सदियों से रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है ।

हिस्ट्रीशीटरों से है जान का खतरा: अमनमणि

लखनऊ (ईएमएस)। निर्दलीय विधायक अमनमणि त्रिपाठी ने विधानसभा में कहा कि उन्हें हिस्ट्रीशीटरों से जान का खतरा है। त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किए जा रहे हैं। महाराजगंज जिले के नौतनवां से विधायक त्रिपाठी ने कानून व्यवस्था पर चर्चा के दौरान कहा कि गोरखपुर के हिस्ट्रीशीटर मेरे खिलाफ साजिश कर रहे हैं। मुझे मेरी पत्नी की हत्या में फंसाया गया और अब मुझ पर एक लाख रुपए की रंगदारी वसूलने का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक करियर और परिवार के खिलाफ साजिश की जा रही है। त्रिपाठी ने कहा कि अगर वह धमकाने वाले व्यक्ति का नाम लेंगे तो उनकी हत्या हो जाएगी। जब सदस्यों ने त्रिपाठी से हिस्ट्रीशीटर का नाम बताने पर जोर दिया तो उन्होंने एक पूर्व विधायक का नाम हिस्ट्रीशीटर के संरक्षक के रूप में लिया। सदन में मौजूद पूर्व विधायक के पुत्र विनय तिवारी ने इसका विरोध किया। वह इस समय बसपा के विधायक हैं। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्य को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी सुरक्षा बढ़ाने को तैयार है।

नोएडा में 3000 फ्लैट की रजिस्ट्री शुरू

नोएडा (ईएमएस)। दिल्ली से सटे नोएडा में पांच दिन के अंदर नोएडा प्राधिकरण करीब तीन हजार फ्लैट के लिए कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी कर देगा और रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। इससे पहले आवेदन में बची औपचारिकताओं को बिल्डर पूरा कर लेंगे। यह सहमति सोमवार को नोएडा प्राधिकरण और बिल्डरों के बीच हुई बैठक में बनी। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ अटल राय और ओएसडी संतोष सिंह ने बिल्डरों के साथ बैठक की। पहली बैठक उन 10 बिल्डरों के साथ की गई, जिन्होंने अपनी परियोजनाओं के लिए कंप्लीशन सर्टिफिकेट के लिए आवेदन कर रखे हैं। इनके करीब तीन हजार फ्लैट हैं।

बिहार में 10 को उम्रकैद

सीवान (ईएमएस)। बिहार के सिवान और नवादा जिलों में 10 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। सोमवार को विभिन्न अदालतों ने हत्या के अलग अलग मामले में ये सजा सुनायी।

सीवान जिले के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने असावं थाने के मनिया गांव में 17 फरवरी 2000 को आपसी विवाद को लेकर रामनरेश दुबे की गोली मारकर हत्या के मामले में 7 नामजद आरोपियों में से छह को उम्रकैद और 27-27 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनायी तथा एक आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी घोषित कर दिया। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राजेश कुमार ने सदर प्रखंड अंतर्गत ननौरा गांव निवासी हरि यादव की 2 अगस्त 2009 को ईंट पत्थर से मारकर हत्या करने के मामले में उनके भतीजा डोमी यादव, उनकी पत्नी फुलवा देवी, उनके पुत्र गोरे लाल यादव और अजय यादव को उम्रकैद और 5-5 हज़ार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। सोमवार को विभिन्न अदालतों ने हत्या के अलग अलग मामले में ये सजा सुनायी। सीवान जिले के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने असावं थाने के मनिया गांव में 17 फरवरी 2000 को आपसी विवाद को लेकर रामनरेश दुबे की गोली मारकर हत्या के मामले में 7 नामजद आरोपियों में से छह को उम्रकैद और 27-27 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनायी तथा एक आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी घोषित कर दिया। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राजेश कुमार ने सदर प्रखंड अंतर्गत ननौरा गांव निवासी हरि यादव की 2 अगस्त 2009 को ईंट पत्थर से मारकर हत्या करने के मामले में उनके भतीजा डोमी यादव, उनकी पत्नी फुलवा देवी, उनके पुत्र गोरे लाल यादव और अजय यादव को उम्रकैद और 5-5 हज़ार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

क्रांति समय

राहुल की 'भक्ति' से मिली कांग्रेस को गुजरात में 'शक्ति'

जहां-जहां गए वहां चुनाव जीते

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात चुनावों के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के मंदिर दर्शन को लेकर भले ही विपक्ष ने उन पर खूब हमले किए,लेकिन चुनाव परिणाम बताते हैं कि इस भक्ति का फल कांग्रेस को मिला है। क्योंकि परिणाम बताते हैं कि राहुल जहां भी मंदिर दर्शन के लिए गए,उनमें से ज्यादातर सीटें कांग्रेस की खाते में आई हैं। बता दें कि राहुल ने गुजरात चुनाव की शुरुवात 25 सितंबर को द्वारका से शुरु की थी। इसी के साथ उन्होंने मंदिर-मंदिर दर्शन भी शुरू किया। राहुल ने जमालपुर में जगन्नाथ मंदिर के दर्शन के साथ चुनावी यात्रा को समाप्त किया।गुजरात में तीन महीने के कैंपेन में राहुल ने 27 मंदिरों में दर्शन किए। इसमें द्वारका सीट तो कांग्रेस नहीं जीत पाई लेकिन जमालपुर की सीट जहां बीजेपी की पकड़ हमेशा मजबूत रही है,लेकिन इस बार राहुल की भक्ति के कारण यह कांग्रेस के खाते में चली गई। इसके लिए राहुल को श्रेय दिया जा रहा है। यही नहीं बीजेपी ने गांधीनगर उत्तरी सीट पर भी जीत दर्ज की है।

यहां राहुल गांधी अक्षरधाम मंदिर का दर्शन करने पहुंचे थे। सबसे अहम यह कि इस सीट पर राहुल से पहले पीएम मोदी भी अक्षरधाम मंदिर में एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। बावजूद इसके यह सीट कांग्रेस जीतने में सफल रही। इसी तरह से राहुल गांधी ने उंझा में उमीया माता मंदिर का भी दर्शन किया था।यहां भी कांग्रेस प्रत्याशी डॉ.आशाबेन पटेल ने बीजेपी के पांच बार के विधायक नरन पटेल को करारी शिकस्त दी है। राहुल गांधी ने राधनपुर में भी खोडियार मंदिर का दर्शन किया था।और यहां भी नतीजा कांग्रेस के पक्ष में रहा है। यहां से अल्पेश ठाकोर ने बड़ी जीत दर्ज की है।उधर,राहुल के मंदिर दर्शन के कारण कांग्रेस की बेहतर हुई स्थिति के सवाल पर बीजेपी प्रवक्ता भरत पांड्या कहते हैं,मुझे नहीं लगता कि मंदिर दर्शन के कारण कांग्रेस या राहुल गांधी को कोई फायदा पहुंचा है।हम 22 साल बाद भी सत्ता बचाने में सफल रहे। हमारा वोट प्रतिशत भी बढ़ा है। हिमाचल में हम कांग्रेस को हटाकर सत्ता में आए हैं। मुझे तो लगता है कि जब भी राहुल पार्टी में प्रमोशन पाते हैं, पार्टी चुनाव हारती है।'

कांग्रेसियों ने बताई भाजपा की हार

99 सीट पर रूकी भाजपा, एक्जिटपोल फेल

सूरत। गुजरात प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा ने अपनी हार को बचाने के लिए पूरा केंद्रीय मंत्रीमंडल ही उतार दिया था। जहां गुजरात प्रदेश चुनाव में सिर्फ मोदी पूरे जिले में एक चुनावी जन सभा को सम्बोधित कर भारी बहुमत से जीत दर्ज करते थे। लेकिन वहीं नरेंद्र मोदी को सिर्फ राहुलगांधी ने गुजरात प्रदेश में 30 से अधिक रैली करने के लिए मजबूर कर दिए। यह मोदी व भाजपा की सबसे बड़ी हार साबित हुई। वहीं उन्होंने कहा कि सूरत में आखी तुफान से मोदी की होने वाली छह दिसम्बर की चुनावी रैली रद्द हो गई थी। लेकिन स्थानीय सांसद व अन्य भाजपाईयों ने लिम्बायत सहित अन्य पाटीदार बाहुल्य विधान सभा क्षेत्र में अपनी हार को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली सात दिसंबर को कराया। यह भी मोदी की हार साबित हुई। मोदी चुनाव में हताश होने के कारण अन्य प्रदेशों के विधायक और नव निर्वाचित मेयर को भी चुनाव में उतार दिया, यह भी उनकी हार ही मानी जाए। चुनाव परिणाम में काफी देर तक भाजपा प्रत्याशी कांग्रेस उम्मीदवारों से पीछे रहे। इससे यह साबित हुआ कि जनमानस के दिलों में राज करने वाले मोदी का ग्राफ कहीं न कहीं गिरा है। जबकि गुजरात में सभी एक्जिटपोल ने भाजपा को 110 से 135सीट तक जीत दिला रहे थे। लेकिन गुजरात प्रदेश में अकेले राहुल, जिग्नेश मेवाणी, अल्पेश ठाकुर व हार्दिक पटेल के साथ गुजरात प्रदेश में भाजपा को 99 सीटों पर रोककर भाजपा के 150 प्लस के मंसूबे पर पानी फेर दिया। यह भाजपा की सबसे बड़ी चौथी हार साबित हुई।

हार्दिक पटेल के आंदोलन से निपटने की सरकार ने बनाई योजना

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद पास नेता हार्दिक पटेल ने जल्द ही अपना आंदोलन शुरू करने का ऐलान कर दिया है। गुजरात सरकार ने भी हार्दिक पटेल के आंदोलन शुरू होने से पहले उसे रोकने की योजना तैयार कर ली है। सूत्रों के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान हार्दिक पटेल ने पुलिस की मंजूरी के बगैर कई स्थानों पर रैलियां और सभाएं की थीं। बिना अनुमति सार्वजनिक कार्यक्रम पर कई स्थानों पर हार्दिक पटेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। ऐसे मामलों में हार्दिक पटेल को गिरफ्तार करने के आदेश दे दिए गए हैं। इसके अलावा हार्दिक पटेल के खिलाफ दर्ज राजद्रोह के मामले की सुनवाई भी जल्द से जल्द शुरू करने का प्रशासन को आदेश दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक राजद्रोह के मामले में हार्दिक पटेल के खिलाफ ठोस सबूत हैं और उसमें उन्हें सजा भी होना तय है। नई सरकार के लिए सिर दर्द बने उससे पहले हार्दिक पटेल पर कानूनी शिकंजा कसने का हुकम जारी हो चुका है।

माहेश्वरी भवन में 24 को अन्नकूट महोत्सव

संवाददाता, सूरत। शहर के सिटी लाइट क्षेत्र में स्थित माहेश्वरी भवन में आगामी 24 दिसम्बर को अन्नकूट महोत्सव आयोजित किए जाने की जानकारी आयोजकों ने दी है। श्री लक्ष्मीनाथ सेवा समिति की ओर से सिटी लाइट में स्थित माहेश्वरी भवन में आगामी 24 दिसम्बर को अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान श्री लक्ष्मीनाथ जी की भजन संध्या भी आयोजित की जाएगी। जिसमें भजनों की गंगा मुंबई के प्रेम बियाला व स्थानीय कलाकारों द्वारा बहाई जाएगी। इसी के साथ श्री लक्ष्मीनाथ जी का अलौकिक श्रृंगार,छप्पनभोग और अन्नकूट कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। ये तमाम कार्यक्रम दोपहर तीन बजे से प्रारंभ कर दिए जाएंगे। जबकि शाम 7 बजे से महा प्रसाद वितरण किया जाएगा।

योगेश राम सिसरिया के अनुसार इसमें,अपना फतेहपुर शेखावटी पुस्तक का विमोचन किया जाएगा।

ट्रक-कार के बीच दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

राजकोट (ईएमएस)। मोरबी बाइपास के निकट ट्रक और कार के बीच हुई दुर्घटना में राजकोट के तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय पर हुआ जब तीनों कार में सवार होकर कच्छ की ओर जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक राजकोट के कालावड रोड स्थित सेतुबंध सोसायटी निवासी और सीसीटीवी का काम करनेवाले 32 वर्षीय यतीराजसिंह जयवीरसिंह जाडेजा अपने बुवा के पुत्र 28 वर्षीय जयेन्द्रसिंह लालसिंह वाढेर और 28 वर्षीय कर्मचारी देवांग अरजणभाई वरू चुनाव के दौरान लगाए गए सीसीटीवी कैमरे लेने कच्छ जिले के भुज की ओर कार में जा रहे थे।

भाजपा घटा संख्याबल राज्य सभा में नुकसान पहुंचाएगा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा में भाजपा के घटे संख्याबल के कारण आगामी राज्यसभा चुनाव में उसे नुकसान होना तय है। लगातार चार दशकों से गुजरात में 100 से कम विधायकों की संख्या बल के साथ कोई सरकार नहीं बनी। 1975 के बाद पहली गुजरात में सबसे कम 99 विधायकों के संख्या बल की सरकार बनेगी। आगामी अप्रैल महीने में भाजपा के चार राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। जिसमें से भाजपा को अब केवल दो सीटें मिलेंगी। अन्य दो सीटें कांग्रेस के खाते में जाएंगी। भाजपा के निवृत्त होनेवाले भाजपा के राज्यसभा सांसदों में केन्द्रीय मंत्री अरूण जेटली, पुरुषोत्तम रूपाला, मनसुख मांडविया और शंकर वेगड़ शामिल हैं। फिलहाल गुजरात से 11 सदस्यों में से 9 भाजपा के और 2 कांग्रेस के हैं। जिसमें अहमद पटेल और मधुसूदन मिस्त्री शामिल हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का संख्या बल 61 से बढ़कर 80 पर पहुंच गया है। नतीजतन राज्यसभा में कांग्रेस के दो सदस्यों की बढ़ जाएगी। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से कुल 9 राज्यसभा सांसद चुने जाएंगे। हिमाचल प्रदेश के राज्यसभा सांसद जेपी नड्डा भी निवृत्त हो रहे हैं।

गुजरात में 16 सीटों पर जीत हार का अंतर 200 से 2000 वोट

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात चुनाव के दौरान भाजपा के साथ कांग्रेस की कड़ी टक्कर रही, 16 सीटों को देखा जाए तो यहां मुकाबला आखिर तक सांस रोकने वाला रहा है। इन सीटों पर जीत हार का अंतर 200 से 2000 वोट तक रहा है। कई जगहों पर कांग्रेस के लिए रांकपा व बसपा मारक बनीं तो कुछ जगहों पर निर्दलीय खेल बिगाड़ गए है। ढोलका व फतेपुरा में रांकपा व बसपा ने कांग्रेस को तय जीत से दूर कर दिया है। ढोलका में कांग्रेस महज 327 वोटों से हारी। बसपा को यहां 3139 व रांकपा को 1198 वोट मिले। फतेपुरा में भाजपा 2711 वोटों से जीती। रांकपा को 2747 वोट मिले है। बॉतड सीट पर कांग्रेस 306 वोटों से हारी, जबकि बसपा ने यहां 966 वोट झटके। तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने यहां कुल 75 सौ वोट हासिल किए है। भाजपा भी थोड़े से अंतर से 2 सीटें हार गई। मानसा में पार्टी को 524 तो दिओदर में 972 वोट से हार झेलनी पड़ी। कपराडा से कांग्रेस को केवल 170 वोटों से ही जीत हासिल हो सकी। गोधरा में भाजपा को महज 258 सीटों से जीत मिली। यहां नोटा के तहत 3050 वोट पड़े तो निर्दलीय उम्मीदवार ने 18 हजार वोट झटक लिए। आदिवासी बहुल्य क्षेत्र डेंग्स में कांग्रेस को 768 वोटों से ही जीत मिल सकी। जिन विधानसभा क्षेत्रों में मुकाबला कांटे का रहा, उनमें हिम्मतनगर, विजापुर, देअदार, मानसा शामिल हैं।

पार्सल का इंतजार में खड़े माल वाहक

मार्केट में चुनावी परिणाम को लेकर पूरे दिन रही चर्चा

सूरत। कपड़ा मार्केट में ग्राहकी नदारत होने से व्यापारियों के सामने आर्थिक मंदी का माहौल बना हुआ है। वहीं पार्सल कम तैयार होने से पार्सल ढोने वाले मालवाहक मंगलवार शाम को खड़े रहें। जबकि कपड़ा मार्केट में अपनी दुकानों पर बैठकर चुनावी परिणामों की समीक्षा करते नजर आए। वहीं भाजपा समर्थित कारोबारियों ने चाय व मुंह मीठा कराने के साथ जीत का जश्न मनाया। जश्न मनाने वाले में मंहेद्र भाई पांडेय, शैलेष पांडेय, बजरंगभाई खंडेलवाल, पवन सेवदा, गोपाल रिणवा, नेमजी राठौर सहित काफी तादाद में कपड़ा कारोबारी मौजूद रहे।

कलेक्टर को ज्ञापन देने निकले जिग्नेश मेवाणी और पुलिस के बीच घर्षण

बनासकांठा (ईएमएस)। जिले की वडगाम विधानसभा सीट से बतौर निर्दलीय चुनाव जीते जिग्नेश मेवाणी अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर को ज्ञापन देने पहुंच गए। इस दौरान पुलिस और उनके समर्थकों के बीच घर्षण हुआ। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि बनासकांठा जिले की वडगाम विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाली निर्दलीय उम्मीदवार जिग्नेश मेवाणी आज से अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याएं सुलझाने में जुट गए। जिग्नेश मेवाणी ने वडगाम क्षेत्र की वर्षों से खराब सड़कें समेत मूलभूत सुविधाओं को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र की जनता पिछले कई सालों से खराब सड़कें और मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। इससे पहले जिग्नेश मेवाणी समेत उनके समर्थकों का पुलिस के साथ घर्षण हुआ। जिग्नेश मेवाणी के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक थे, जिसकी वजह से पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। जिसे लेकर थोड़ा घर्षण हुआ और बाद में पुलिस ने 8-9 समर्थकों के साथ जिग्नेश मेवाणी को कलेक्टर ऑफीस जाने दिया।

नई सरकार की शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने के बाद अब राज्य में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गुजरात सरकार के मुख्य सचिव जेएन सिंह ने शपथ ग्रहण समारोह स्थल को लेकर गांधीनगर समेत अहमदाबाद का दौरा किया। जेएन सिंह ने अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम और साबरमती रिवरफ्रंट के अलावा गांधीनगर के महात्मा मंदिर का दौरा किया। इन तीनों में किसी एक स्थल पर शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहेंगे और यह समारोह 25 दिसंबर को हो सकता है। गुजरात का मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर फिलहाल सस्पैंश बरकरार है। इसका फैसला भाजपा के केन्द्रीय निरीक्षकों के बीच होगा। केन्द्रीय मंत्री अरूण जटली और सरोज पांडे गुजरात आएंगे और भाजपा मुख्यालय कमलम में विधायकों के साथ बैठक करेंगे। अगले 2 दिनों में शपथ ग्रहण समारोह समेत विस्तृत कार्यक्रमों का ऐलान किया जाएगा। गौरतलब है 2002, 2007 और 2012 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली भाजपा सरकार ने अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में शपथ ग्रहण की थी।

गुजरात चुनाव में नोटा ने भाजपा-कांग्रेस के 11 उम्मीदवारों को खेल बिगाड़ा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में नोटा ने भाजपा के 4 और कांग्रेस के 7 उम्मीदवारों को खेल बिगाड़ दिया। गुजरात में इस बार 5,51,615 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। जो कुल मतदान का 1.8 प्रतिशत है। जो मतदाता भाजपा या कांग्रेस अथवा पाटीदार भाजपा के खिलाफ थे और कांग्रेस को भी वोट नहीं देना चाहते थे, उन्होंने नोटा का इस्तेमाल किया और भाजपा व कांग्रेस समेत कुल 11 उम्मीदवारों को जीत से वंचित कर दिया है। कपराड़ा सीट से भाजपा उम्मीदवार माधुभाई राउत केवल 170 वोटों से हार गए और यहां 3868 वोटरों ने नोटा का इस्तेमाल किया। इसी प्रकार गोधरा में कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्रसिंह परमार 258 वोटों से हारे और यहां 3050 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। पोरबंदर में कांग्रेस प्रत्याशी अर्जुन मोढवाडिया 1858 वोट से हारे और यहां नोटा के पक्ष में 3433 वोट, डभोई में नोटा के पक्ष में 3046 वोट पडे और यहां से कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धार्थ पटेल 2848 वोटों से हारे, धोलका में नोटा के पक्ष में 2347 वोटिंग हुई और कांग्रेस प्रत्याशी अश्विनभाई राठौड़ 327 वोटों से हारे, फतेपुरा में नोटा के पक्ष में 4573 वोट पड़े और कांग्रेस प्रत्याशी मधुभाई मछार 2711 वोटों से हारे, हिम्मतनगरमें नोटा पक्ष में 3334 वोट पडे और 1712 वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश पटेल हारे, विजापुर में नोटा को मिले 1280 वोट और 1164 वोटों से कांग्रेस उम्मीदवार नाथाभाई पटेल हारे, दियोदर में नोटा को मिले 2988 वोट और 972 वोटों से भाजपा प्रत्याशी केशाजी चौहाण हारे, डांग में नोटा को मिले 2184 वोट और 768 वोटों से भाजपा प्रत्याशी विजय पटेल हारे और माणसा में नोटा के पक्ष में 3000 वोट पडे और भाजपा प्रत्याशी अमित चौधरी केवल 524 वोटों से हार गए।

पहली दफा चुनाव जीत विधानसभा पहुंचे कई नए चेहरे

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात चुनाव में भाजपा सरकार के 7 मंत्री शंकर चौधरी, आत्माराम परमार, चिमन सापरिया, जशा बारड, केशाजी चौहाण, शब्दशरण तड़वी और स्पीकर रमणलाल वोरा के अलावा 27 विधायक हार चुके हैं। वहीं कांग्रेस के शक्तिसिंह गोहल, अर्जुण मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल और तुषार चौधरी को पराजय नसीब हुई है। दूसरी ओर गुजरात चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को 20 से ज्यादा नए चेहरे मिले हैं, जो पहली दफा चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंच गए हैं। इन चेहरों में राधनपुर से विजेता कांग्रेस के अल्पेश ठाकोर, वडगाम से कांग्रेस समर्थित निर्दलीय जिग्नेश मेवाणी, दसाडा से कांग्रेसके नौशाद सोलंकी, कालावड से कांग्रेस के प्रवीण मुछडिया, जामनगर ग्रामीण से कांग्रेसके वल्लभ धारडिया, जामजोधपुर से कांग्रेस के चिराग कालरिया, जूनागढ़ से कांग्रेस के भीखाभाई चौधरी, उमरेठ से कांग्रेस की कपिला चावड़ा, सोजित्रा से कांग्रेस के पूनमभाई परमार, कपड़वंज से कांग्रेस के कालूभाई डाभी, पादरा से कांग्रेस के जसपालसिंह ठाकोर, वांसदा से कांग्रेस के अनंतकुमार पटेल, नीझर से कांग्रेस के सुनील गामित, पालीताणा से भाजपा के भीखाभाई बारैया, महुवा से भाजपा के राघवभाई मकवाणा, केशोद से भाजपा के देवाभाई मालम, लीमखेडा से भाजपा के शैलेष भाभोर, ओलपाड से भाजपा के मुकेश पटेल और करंज से भाजपा के प्रवीण घोघारी शामिल हैं भाजपा सरकार के 7 मंत्री शंकर चौधरी, आत्माराम परमार, चिमन सापरिया, जशा बारड, केशाजी चौहाण, शब्दशरण तड़वी और स्पीकर रमणलाल वोरा गुजरात चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को 20 से ज्यादा नए चेहरे मिले हैं, जो पहली दफा चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंच गए हैं।

पाटीदारों के गढ़ में बड़े अंतर से भाजपा के भूपेन्द्र पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में विभिन्न सामाजिक आंदोलन और सत्ता विरोधी लहर के बावजूद भाजपा विधानसभा चुनाव में बहुत कुछ गंवाकर भी सत्ता बचाने में कामियाब रही है। गुजरात चुनाव में भाजपा की सीटें 115 से घटकर 99 हो गई हैं। वहीं कांग्रेस 16 सीटों के साथ 77 पर पहुंच गई है। पास नेता हार्दिक पटेल के जबर्दस्त प्रयास भी पाटीदारों को कांग्रेस की ओर मोड़ने में नाकामियाब रहे हैं। सौराष्ट्र को छोड़ दक्षणि, मध्य और उत्तर गुजरात में हार्दिक पटेल का जादू नहीं चला। कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए हार्दिक पटेल ने पाटीदारों को शपथ तक दिलवाई, मगर पाटीदारों में उसे नजरअंदाज कर भाजपा का साथ दिया। अहमदाबाद और सूरत में पाटीदारों की गढ़ मानी जाती सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है और वह भी बड़े अंतर से। अहमदाबाद की घाटलोडिया विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और औडा के चेयरमेन भूपेन्द्र पटेल 1,17,750 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। वहीं सूरत की चौर्यासी सीट से भाजपा उम्मीदवार झंखना पटेल ने 1,10,819 मतों से, मजूरा सीट से भाजपा प्रत्याशी हर्ष संघवी ने 85827 वोटों से अहमदाबाद की एलिसब्रिज सीट से भाजपा उम्मीदवार राकेश शाह ने 85,205 वोटों से और सूरत की कतारगाम सीट से भाजपा उम्मीदवार विनोद मोरडिया ने 79,230 वोटों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी को करारी शिकस्त दी है। हार्दिक पटेल के जबर्दस्त प्रयास भी पाटीदारों को कांग्रेस की ओर मोड़ने में नाकामियाब रहे हैं। सौराष्ट्र को छोड़ दक्षणि, मध्य और उत्तर गुजरात में हार्दिक पटेल का जादू नहीं चला।

शहरों में भी जाते तो जीत सकते थे राहुल:अल्पेश ठाकोर

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में पहली बार जीत दर्ज करने वाले अल्पेश ठाकोर ने कहा है कि राहुल शहरी इलाकों में ज्यादा वक्त नहीं दे पाए, सिर्फ दो दिन ही जा पाए, इस कारण हमें वहां सफलता नहीं मिली। उन्होंने एक समाचार चैनल से कहा कि अगर ग्रामीण इलाकों की तरह राहुल गांधी शहर में भी समय दे पाते तो आज स्थिति कुछ और होती।

एक सवाल के जवाब में अल्पेश ने कहा कि सदन में विपक्ष का नेता कौन होगा यह तय करना कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी का काम है। वो जो भी जिम्मेदारी देंगे वह मुझे स्वीकार होगा।

अल्पेश ने कहा कि गुजरात की एकता को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है, कांग्रेस पार्टी इससे कोई समझौता नहीं करती है। राजनीति में आने के सवाल पर अल्पेश ने कहा कि मेरा परिवार राजनीति में काफी समय से काम कर रहा है, गुजरात के 18 हजार गांव में से 14 हजार गांव में मेरा संगठन शिक्षा के लिए काम कर रहा है। गुजरात में ओबीसी चेहरा अल्पेश ठाकोर ने चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ज्वाइन करने का फैसला किया। वह पहली बार चुनावी मैदान में उतरे और भारी मतों से जीत दर्ज की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com